शिक्षा का उत्थान

शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

शैक्षिक बालगीत संकलन

सृजन बालगीत

दिनांक
08.08.2021

भाग- 9

क्रमांक
226 से 257 तक

रविवार फुलवारी

काव्यांजलि दैनिक सृजन टीम

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ। 9458278429

चिड़िया रानी

चूँ-चूँ ,चूँ-चूँ करती चिड़िया,
आसमान में उड़ती चिड़िया।
तरह-तरह के खेल दिखाकर,
सबका मन लुभाती चिड़िया॥

नीली-पीली विभिन्न रंगों में,
खूब पाली जाती है चिड़िया।
एक-एक तिनके को चुनकर,
अपना घर बनाती है चिड़िया॥

रचना :-
शिप्रा सिंह (स०अ०)
उ० प्रा० वि० रूसिया
अमौली, फतेहपुर

मिशन शिक्षण संवाद सृजन बालगीत
दिनांक- 08/08/2021
रविवार फुलवारी
227

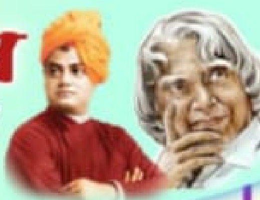

अखबार

देश-विदेश की खबरें लाये,
हिन्दी, अंग्रेजी दोनों में आये।
जानकारियों का भण्डार,
कहते हैं उसको अखबार।।

खेलकूद और शेयर बाजार,
विज्ञापन भी छाये रहते।
एक पेज पर कार्टून कोना,
तरह-तरह के लेख भी रहते।।

फैशन, वास्तुकला के टिप्स,
नयी-नयी रेसिपीज सिखाये।
सबके लिए मनोरंजन इसमें,
सरकारी योजनाएँ भी बतायें।।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

रचना-
ज्योति विश्वकर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० जारी- 1
बड़ोखर खुर्द, बाँदा

मिशन शिक्षण संवाद सृजन बालगीत
दिनांक- 08/08/2021
रविवार फुलवारी
228

सच्चा मित्र

सच्चे मित्र अनमोल हैं,
इनका कोई मोल नहीं।
हैं किस्मत वाले वही,
जिनके होते सच्चे मित्र कई।।

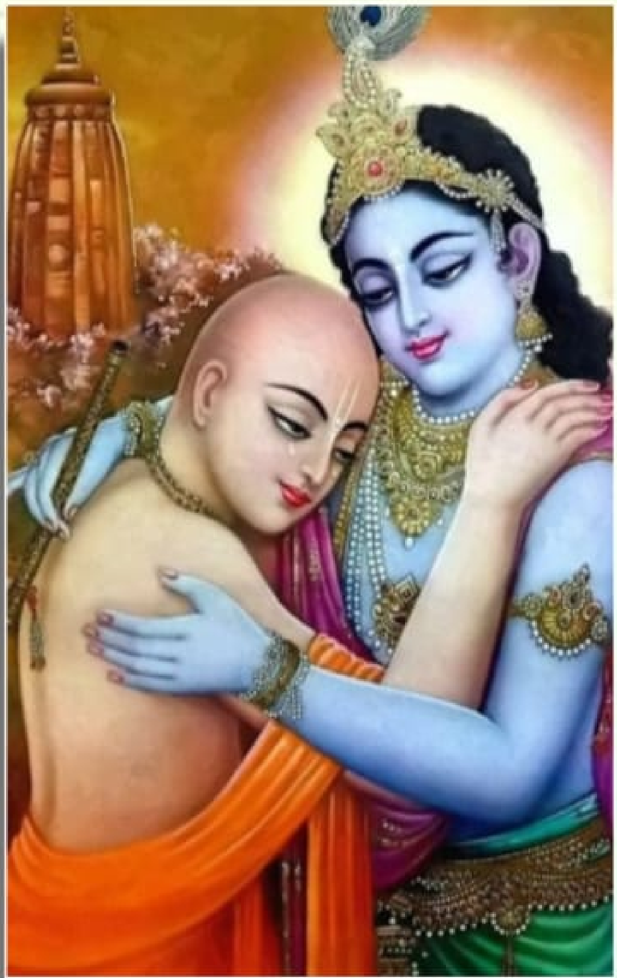

सुख-दुःख के पल साथ निभाये,
संकट की घड़ी में हौसला बढ़ाये।
अच्छे-बुरे का फर्क बतलाये,
सच्चा मित्र वही कहलाये।।

सुदामा-कृष्ण जैसी हो यारी,
रूठने-मनाने की हो समझदारी।
सच्चा मित्र जिसे मिल जाता,
सबसे बड़ा धनी वही कहलाता।।

रचना- नीलम भास्कर (स०अ०)
उ० प्रा० वि० सिसाना (1-8)
बागपत, बागपत

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।
आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ। 9458278429

बच्चे

सबसे सरल और कोमल,
होते प्यारे-प्यारे बच्चे।
सबसे सीधे और निश्छल,
बच्चे होते कितने सच्चे।।

हमारी ये आँख के तारे,
जग में हैं ये सबसे न्यारे।
कोई न द्वेष भाव इनमें,
निष्कपट होते बच्चे प्यारे।।

रचना:
निकहत रशीद (स०अ०)
उ० प्रा० वि० निवाइच
तिन्दवारी, बाँदा

मिशन शिक्षण संवाद सृजन बालगीत
दिनांक- 08/08/2021
रविवार फुलवारी
230

वसुधा का श्रृंगार हैं मेघ

नील गगन में उमड़-घुमड़ कर,
मेघ जब तुम वर्षा करते हो।
छा जाता कलियों में नवयौवन,
तपिश धरा की तुम हरते हो।।

बरसाते रिमझिम बारिश वसुधा पर,
जीव-मनुज अंगड़ाइयाँ भरते हैं।
नाचे मयूर, कूँजती है कोयल,
नदी-पोखर में मेंढक टर्र-टर्र करते हैं।।

हे मेघ! तुम आधार जीवन के,
वर्षा से जग को तृप्त करते हो।
देकर उपहार हरियाली का,
धरती माँ का श्रृँगार करते हो।।

रचना- अमित गोयल (स०अ०)
प्रा० वि० निवाड़ा
बागपत, बागपत

अनिकेत का घर

सुन्दर-सुन्दर, प्यारा-प्यारा,
अनिकेत का घर है सबसे न्यारा।
दीवारें हैं इसकी नीली,
और खिड़कियाँ पीली-पीली।।

दरवाजे पर बैठी चिड़िया,
फूलों से महकी है बगिया।
छत पर बैठा है एक मोर,
बच्चों नहीं मचाना शोर।।

सर्दी, गर्मी, धूप, बरसात,
हर मौसम में देता साथ।
परिवार संग रहता है अनिकेत,
घर में मिलता सबका साथ।।

रचना-
रूपी त्रिपाठी (स०अ०)
उ० प्रा० वि० लोहारी
सरवनखेड़ा, कानपुर देहात

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

मिशन शिक्षण संवाद सृजन बालगीत
दिनांक- 08/08/2021
रविवार फुलवारी
232

याद आ गयी नानी

धान लगाने गयी खेत में,
था घुटनों तक पानी।
फिसल गयी मैं गिरी खेत में,
याद आ गयी नानी॥

भीग गये सब कपड़े मेरे,
सउँद गया तन सारा।
पूरा बदन सना कीचड़ में,
भइया तुरत निकारा॥

बरहा के पानी में जाकर,
फिर मुझको नहलाया।
मैं रोती थी भइया ने फिर,
गाकर के बहलाया॥

रचना-
रामचन्द्र सिंह (स०अ०)
प्रा०वि० जगजीवनपुर-2
ऐरायाँ, फतेहपुर

सावन आया

सावन आया, सावन आया,
देख-देख मन हर्षाया।
रिमझिम बूँदे बरस रही,
फूलों की क्यारी महक रही।।

बादल की घटा घनघोर,
छायी हरियाली चहुँ ओर।
निखरी-निखरी सी प्रकृति,
मन मोहती हर आकृति।।

तीज, नाग पंचमी, रक्षा बन्धन,
इन्द्रधनुष लेकर आया सावन ।
सोंधी-सोंधी खुशबू मिट्टी की,
याद दिलाये हमें बचपन की।।

रचना- रूखसाना बानो (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय अहरौरा
जमालपुर, मिर्ज़ापुर

गुड़िया

माँ मुझको गुड़िया ला दो,
उसको खूब सजाऊँगी।
सुन्दर-सुन्दर उसे सजाकर,
उसका ब्याह रचाऊँगी।।

खूब धूम-धाम होगी,
सखियों को बुलाऊँगी।
ढेर सारे पकवान बनाकर,
सबको खूब खिलाऊँगी।।

रचना-
मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरौधा- प्रथम
अमरौधा, कानपुर देहात

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

सपना

मैंने देखा कल एक सपना,
उलट-पलट हो गयी दुनिया।
चॉकलेट की हो रही बारिश,
पेडों पर लग गयी टॉफियाँ।।

माँ बोली बस कर पढ़ना,
जाकर बाहर खेल आओ।
क्यों बैठी हो गुमसुम सी,
टीवी, मोबाइल चलाओ।।

तभी अचानक आँख खुली,
गुम हो गया प्यारा सपना।
माँ बोली जल्दी उठ जा,
दिखने लगा स्कूल अपना।।

रचना- ज्योति सागर (स०अ०)
उ० प्रा० वि० सिसाना (1-8)
बागपत, बागपत

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ। 9458278429

जंगल की सैर

जंगल की हम सैर करेंगे,
लेकर यारों की टोली।
मैं भी जाऊँगी संग, मेरी,
गुड़िया भी मुझसे बोली।।

शेर, हिरन और हाथी जैसे,
जानवरों को देखेंगे।
बन्दर के संग उछल-कूदकर,
भालू के संग नाचेंगे।।

जंगल में हम मंगल करके,
संग में सेल्फी खींचेंगे।
बारहसिंगा, गैंडा सबकी,
फोटो मिलकर खींचेंगे।।

रचना
शिखा वर्मा (इं०प्र०अ०)
उ० प्रा० वि० स्योढ़ा
बिसवां, सीतापुर

तिरंगा

स्वतन्त्रता दिवस है आने वाला,
हम सब दिल्ली जाएँगे।
लाल किले की चोटी पर,
तिरंगा हम फहराएँगे।।

तीन रंगों से बना तिरंगा,
भारत वर्ष की शान है।
त्याग, बलिदान, शान्ति और समृद्धि,
इन सब की यह पहचान है।।

रचना-
नौरीन सआदत (स०अ०)
उ० प्रा० वि० रिसौरा
महुआ, बाँदा

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

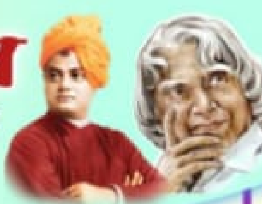

भारतीय सैनिक

नमन तुम्हें सौ बार नमन,
शत्रु का तुम करते हो दमन।
तुम सीमा पर डट जाते हो,
सीने पर गोली खाते हो।।

तुम देश का मान बढ़ाते हो,
तुम पदक जीत कर लाते हो।
हाहाकार टोकियो में मचाया है,
भारत को स्वर्ण-पदक दिलाया है।।

हरियाणा की धरती तुम्हें नमन,
जाया जो ऐसा लाल चमन।
करतब भाला का दिखाया है,
पूरे विश्व में गौरव बढ़ाया है।।

रचना
शुभा देवी (स०अ०)
उ० प्रा० वि० अमौली (1-8)
अमौली, फतेहपुर

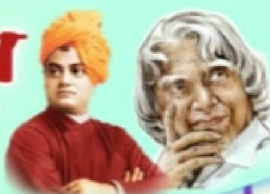

बापू

वो थे बापू बहुत अच्छे,
काम करते थे सच्चे।
चलाते थे जो चरखे,
मेहनत के थे सच्चे।।

जिन्होंने किया हमें,
गुलामी से आजाद,
किया हमारे वतन को,
अंग्रेजों से आजाद।।

कर दी हमारी जिन्दगी आबाद,
अब हैं हम पूरी तरह आजाद।
कहते हैं जिनको बापू सभी,
वह थे मोहनदास करमचन्द गाँधी।।

रचना :-
कु0 सोनम विश्वकर्मा (छात्रा)
कक्षा- 8
रा0इ0का0काकड़
जिला :- चम्पावत

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान।

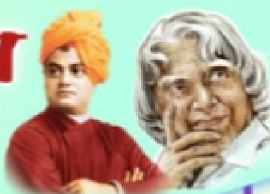

स्वच्छता

साफ करो भई, साफ करो,
पर्यावरण को साफ करो।
कहीं कूड़ा मत फैलाओ,
गन्दगी को दूर भगाओ।।

रोज नहाओ, रोज नहाओ,
बदबू पसीने से राहत पाओ।
फल व सब्जी धोकर खाओ,
बीमारियों से मुक्ति पाओ।।

घर को अपने साफ बनाओ,
आस-पास न गन्दगी फैलाओ।
सफाई अभियान रोज चलाओ,
कूड़े से मुक्ति दिलाओ।।

रचना:-
कु0 तनीषा बिष्ट (छात्रा)
कक्षा - 8 'ब'
रा0बा0इ0का0अल्मोड़ा
जिला-अल्मोड़ा

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

सावन

सावन की प्यारी ऋतु आयी,
हरियाली चहुँ ओर दिखायी।
पेड़ों पर सावन के झूले,
सखियाँ सारी वन में झूले।।

रीता, गीता, मेघा आओ,
सावन के गीत सब गाओ।
गुजिया, मठरी, घेवर खाओ,
सारे मिलकर खुशी मनाओ।।

रचना
मोना शर्मा (स०अ०)
कम्पोजिट वि० पूठी
परीक्षितगढ़, मेरठ

मेरे पापा

पापा मेरे प्यारे पापा,
सबसे अच्छे मेरे पापा।
मेरे दिल में रहते पापा,
मेरा हर दु:ख सहते पापा।।

मेरी छोटी सी खुशी के लिए,
सब कुछ सहते मेरे पापा।
हर इच्छा को करते पूरा,
नहीं कोई जैसे मेरे पापा।।

रचना:
कु० भावना (छात्रा)
कक्षा-8
उ० प्रा० वि० नारंगपुर
परीक्षितगढ़, मेरठ

मिठाई

आयी मिठाई की ऋतु आयी,
सबके घरों में खुशियाँ लायी।
मठरी, घेवर, गुंजिया लायी,
बहन-भाई खिलाते हैं मिठाई।।

दिवाली पर देते हैं मिठाई,
मिठाई के संग देते हैं बधाई।
खुशियों की सौगात मिठाई,
सबको मिलें खुशियाँ और बधाई।।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

रचना:
प्रकृति वशिष्ठ (छात्रा)
कक्षा-5
के० वी० पी० एस०
परीक्षितगढ़, मेरठ

मिशन शिक्षण संवाद सृजन बालगीत
दिनांक- 08/08/2021
रविवार फुलवारी
244

भारत की बेटियाँ

बेटियाँ है भारत की शान,
बढ़ाया ओलम्पिक में है मान।
चानू ने रजत पदक दिलाया,
इतना उत्तम वजन उठाया।।

लवलीना के मुक्के बेजोड़,
नहीं है उनका कोई तोड़।
बैडमिन्टन में सिंधु ने किया कमाल,
जीता पदक है फिर एक बार।।

महिला हॉकी ने दम है दिखाया,
चतुर्थ स्थान भारत ने पाया।
यही स्थान अदिति अशोक ने,
गोल्फ में भारत को है दिलाया।।

रचना-
भावना शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० नारंगपुर (1-8)
परीक्षितगढ़, मेरठ

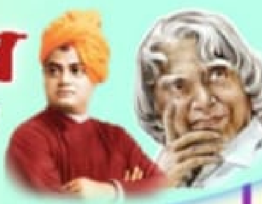

मन की इच्छा

माँ, मैं एक बात बताऊँ
पतंग देख मैं भी ललचाऊँ।
काश पतंग मैं भी होता,
आसमान की सैर मैं करता।।

लाल, हरी, नीली,पीली,
सब रंगों में खूब सजीली।
हवा के संग उड़ती जाती,
बँधी डोर में उड़ती जाती।।

मैं भी पतंग बनकर उड़ता,
बादल के संग बातें करता।
वहाँ की बातें तुमको सुनाता,
बड़े मजे से मैं भी इठलाता।।

रचना- प्रतिमा उमराव (स०अ०)
उच्च प्रा०वि० अमौली (1-8)
अमौली, फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

शेर

सिंह, केसरी कहते मुझको,
जंगल का मैं राजा हूँ।
शत्रु मुझसे थर-थर कांपे,
एक दहाड़ जो भरता हूँ।।

सन्नाटा छा जाता है,
जहाँ से गुजरता हूँ।
घास-फूँस ना भाता मुझको,
मैं माँसाहार ही खाता हूँ।।

रचना
स्नेह लता (स०अ०)
प्रा० वि० नारंगपुर
परीक्षितगढ़, मेरठ

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान

सवेरा

सूरज निकला गया अंधेरा,
जागो बच्चों हुआ सवेरा।
आलस छोड़ो करो प्रणाम,
शुरू करो अपना काम।।

कसरत कर, करो स्नान,
भोजन कर, करो स्कूल प्रस्थान।
विद्या का तुम लेकर ज्ञान,
जीवन में करो अपना नाम।।

रचना
रचना रानी शर्मा (स०अ०)
प्रा०वि० नारंगपुर
परीक्षितगढ़, मेरठ

पेड़

प्रकृति का वरदान हैं पेड़,
मानव पर उपकार हैं पेड़।
इन पेड़ों की छटा निराली,
इनसे ही है सब हरियाली।।

धूप में छाया हैं पेड़,
भूखे का भोजन हैं पेड़।
कुछ भी नहीं खाते हैं पेड़,
सब कुछ तो दे देते पेड़।।

अगर काटोगे इनको तुम,
जीवन कहाँ से पाओगे।
इनसे ही साँसे हैं मिलती,
यह साँसे कहाँ से लाओगे।।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

रचना-
कु० अकांशी (छात्रा)
कक्षा-8
उ० प्रा० वि० नारंगपुर
परीक्षितगढ़, मेरठ

बिल्ली मौसी

प्यारी-प्यारी बिल्ली मौसी,
रोज मेरे घर में आती है।
म्याऊँ-म्याऊँ जब करती है,
मुझे भी संग बुलवाती है।।

उसके बोलने का मतलब,
मैं झट से समझ जाती हूँ।
और उसके बर्तन में दूध,
झटपट कर जाती हूँ।।

रचना-
माला सिंह (स० अ०)
क० वि०- भरौटा
सरधना, मेरठ

मेरा देश

मेरा भारत देश महान,
विश्व करे इसको प्रणाम।
शीश पे जिसके हिमालय सजता,
चरणों में महासागर बहता।।

गौरव गाथा बड़ी अनौखी,
इसकी माटी वीरों ने सींची।
आजादी पाने की खातिर,
सरहद वीरों ने लहू से सींची।।

रचना
रविता शर्मा (शिक्षिका)
कृष्ण पब्लिक स्कूल, मेरठ

प्यारे पक्षी

बहुत सजीले नीले-नीले,
मोर के देखो पर चमकीले।
अपनी धुन में पंख पसारे,
नाच रहे हैं मिलकर सारे।।

यही हमारा राष्ट्रीय पक्षी,
कितना मोहक, न्यारा पक्षी।
इसको कभी न कोई मारे,
कितने प्यारे मोर हैं न्यारे।।

हों वन, बाग, बगीचे सुन्दर,
निर्भय रहें विहग सब अन्दर।
बुलबुल, कोयल, मोर हमारे,
तीतर, तितली, तोता सारे।।

रचना
सतीश चन्द्र (प्र०अ०)
प्रा० वि० अकबापुर
पहला, सीतापुर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

स्वतन्त्रता दिवस (१५ अगस्त)

देखो आया आजादी का दिन,
कितना सुन्दर प्यारा है ये दिन।
इसको कहते स्वतन्त्रता दिवस,
होता बहुत यह पावन दिन।।

अंग्रेजों की गुलामी से मुक्त,
इस दिन हम सब हुए स्वतन्त्र।
शहीदों का त्याग रखें हम याद,
उनके प्रयासों ने बनाया स्वतन्त्र।।

रचना-
सुगन्धा अग्रवाल (स०अ०)
अं० मा० प्रा० वि० दोहा
बड़ोखर खुर्द, बाँदा

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

ऐ मेरे प्यारे हिन्द !

नमन करती हूँ तुम्हें,
ऐ मेरे प्यारे हिन्द!
तुझसे ही गुलजार हूँ मैं,
तुझसे ही महके पवन।।

दिल में उठती एक लहर,
जब लहराता है तिरंगा शान से।
गर्व से सीना चौड़ा होता मेरा,
वन्दे मातरम के गान से।।

राष्ट्रगान की ध्वनि,
जब भी कानों में पड़ी।
हो जाते सम्मान में हम खड़े,
होती है वो गौरव की घड़ी।।

रचना
डॉ० भावना जैन (स०अ०)
प्रा० वि० निवाड़ा
बागपत, बागपत

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

पढ़े बेटी

पढ़े बेटी, बढ़े बेटी,
जग में नाम करे बेटी।
बेटों संग कन्धा मिला,
आगे सबसे चले बेटी।।

शिक्षित हो निखरे बेटी,
समाज को बदले बेटी।
पिता से जो नाम मिला,
जग में रौशन करे बेटी।।

रचना
सुप्रिया सिंह (स0 अ0)
क0 वि0 बनियामऊ
मछरेहटा, सीतापुर।

ईश वन्दन करें

अद्वैत शक्ति से मन्दिर में,
पूजा, आरती की मधुर ध्वनि।
ज्योंहि आविर्भाव हुई आरुषि,
आमोदिनी सी झूम उठी अवनि।।

ध्यान लगा मुदिता में ले,
प्रभु नाम का रसास्वादन।
अज्ञेय होकर भी चिन्मय हुए,
जो करते हैं प्रभु भजन।।

रचना
पारुल चौधरी (स०अ०)
प्रा० वि० हरचन्दपुर
खेकड़ा, बागपत

पवन

पवन से हैं सभी के प्राण,
करती यह जीवन निर्माण।
कहते हैं इसे हवा, वायु, बयार,
अनिल, समीर, प्रभन्जन, वात।।

चहुँ ओर से धरा को घेरे,
वनस्पति से है इसके फेरे।
भौतिक व रासायनिक क्रियाएँ,
नाना प्रकार की है संक्रियाएँ।।

रचना-
अंजू गुप्ता (प्र०अ०)
प्रा० वि० खम्हौरा प्रथम
महुआ, बाँदा

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

टमाटर

गोल-गोल है टमाटर,
लाल-लाल है टमाटर।
विटामिन सी पाया जाता,
सलाद में भी खाया जाता।।

हरे-हरे पत्तों में छिपे टमाटर,
खाद पानी से बढ़े टमाटर।
चटनी इसकी बनायी जाती,
समोसे के साथ खायी जाती।।

रचना
ऊषा रानी (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय खाता
विकास क्षेत्र-मवाना, मेरठ

मिशन शिक्षण संवाद

मिशन शिक्षण संवाद

सृजन बालगीत

रविवार फुलवारी

दिनांक 08/08/2021

भाग-9

रचनाकारों की सूची

226- शिप्रा सिंह, फतेहपुर
227- ज्योति विश्वकर्मा, बाँदा
228- नीलम भास्कर, बागपत
229- निकहत रशीद, बाँदा
230- अमित गोयल, बागपत
231- रूपी त्रिपाठी, कानपुर देहात
232- रामचन्द्र सिंह, फतेहपुर
233- रुखसाना बानो, मिर्ज़ापुर
234- मृदुला वर्मा, कानपुर देहात
235- ज्योति सागर, बागपत
236- शिखा वर्मा, सीतापुर
237- नौरीन सआदत, बाँदा
238- शुभा देवी, फतेहपुर
239- कु० सोनम विश्वकर्मा (छात्रा), चम्पावत
240- कु० तनीषा बिष्ट (छात्रा), अल्मोड़ा
241- मोना शर्मा, मेरठ
242- कु० भावना (छात्रा), मेरठ
243- कु० प्रकृति वशिष्ठ (छात्रा), मेरठ
244- भावना शर्मा, मेरठ
245- प्रतिमा उमराव, फतेहपुर
246- स्नेहलता, मेरठ
247- रचना रानी शर्मा, मेरठ
248- कु० अकांशी (छात्रा), मेरठ
249- माला सिंह, मेरठ
250- रविता शर्मा, मेरठ
251- सतीश चन्द्र, सीतापुर
252- सुगन्धा अग्रवाल, बाँदा
253- डॉ० भावना जैन, बागपत
254- सुप्रिया सिंह, सीतापुर
255- पारूल चौधरी, बागपत
256- अंजू गुप्ता, बाँदा
257- ऊषा रानी, मेरठ

तकनीकी सहयोग

1- नैमिष शर्मा, मथुरा

2- जितेन्द्र कुमार, बागपत

3- शिखा वर्मा, सीतापुर

संकलन

काव्यांजलि दैनिक सृजन टीम